हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 27 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जल्द शुरू किया जाए पासपोर्ट कार्यालय

मण्डला। पोस्ट ऑफिस परिसर में पासपोर्ट कार्यालय बनकर तैयार हो चुका है लेकिन इसे शुरू नहीं किया जा रहा है जिसके कारण पासपोर्ट के लिए लोगों को जबलपुर तक का लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर जाकिर खान ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर जल्द पासपोर्ट कार्यालय शुरू करने की मांग की है। आवेदन में उन्होंने बताया है कि पढ़ाई, धार्मिक यात्रा आदि के चलते विदेश जाने के लिए लोगों को पासपोर्ट की जरूरत होती है, लंबे समय से पासपोर्ट कार्यालय की मंडला जिले में ही खोले जाने की मांग की जा रही थी, अब जब जिला मुख्यालय में ही पोस्ट ऑफिस कार्यालय परिसर में ही पासपोर्ट कार्यालय बनकर तैयार हो गया है तो अब इसे शुरू करने में लेटलतीफी की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ उज्जैन के मार्गदर्शन में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा 1 जुलाई को

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन के सौजन्य से भव्य जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन 1 जुलाई को मण्डला में किया जा रहा है। यह आयोजन इस्कॉन उज्जैन की प्रेरणा से हो रहा है। पूरे प्रदेश में 34 स्थानों पर रथयात्रा निकाली जा रही है। इस पुनीत कार्य का नेतृत्व भक्ति प्रेम स्वामी महाराज कर रहे हैं, जो इस्कॉन उज्जैन के अध्यक्ष और दीक्षा गुरु हैं। यह दो किलोमीटर लंबी रथयात्रा दोपहर 1 बजे राम मंदिर पड़ाव मंडला से शुरू होकर चिलमन चौक, रेडक्रॉस, नेहरू स्मारक होते हुए माहिष्मती घाट, माँ नर्मदा के तट पर समाप्त होगी। रथयात्रा का समापन शाम 7:30 बजे भंडारे (प्रसाद वितरण) के साथ किया जायेगा। यात्रा में 15 फीट ऊँचा विशेष रथ, जिसमें 10 फीट ऊँचा समायोज्य गुंबद भी है, उज्जैन से मंडला लाया जा रहा है। इस शोभायात्रा में विशेष आकर्षण के रूप में आदिवासी सांस्कृतिक दल शामिल होकर पारंपरिक कीर्तन और नृत्य द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ की सेवा करेंगे। उज्जैन से भक्तों की टोली भी इस रथयात्रा में शामिल रहेगी, पूरे मार्ग में हरिनाम संकीर्तन करती हुई वातावरण को भक्तिमय बनाएगी।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 2 जुलाई को

मण्डला। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 2 जुलाई 2025 दिन बुधवार को 3:30 बजे से गोलमेज कलेक्ट्रेट परिसर मंडला में आयोजित किया जाना है।

जनहित याचिका की सुनवाई पर उच्च न्यायालय ने लगाई अंतरिम रोक

कलेक्टर कार्यालय निर्माण पर रोक

*** समाजसेवी अब्दुल गफ्फार कुरैशी ने लगाई थी जनहित याचिका।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के बीचों बीच वर्षो से पोषित उद्यानिकी पर जाने किसकी नजर लगी कि उसे यहां के वर्षो पुराने हरे-भरे पेड़-पौधे जो कि नगरवासियों के लिये ऑक्सीजन टेंक का काम कर रहे हैं उन्हें उजाड़ने की तैयारी में लग गये। आनन-फानन में लगभग 40 वर्ष पुराने सैकड़ों पेड़ों को काटकर यहां पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का आलीशान भवन के निर्माण का मन बनाया गया है। जिसने भी इस

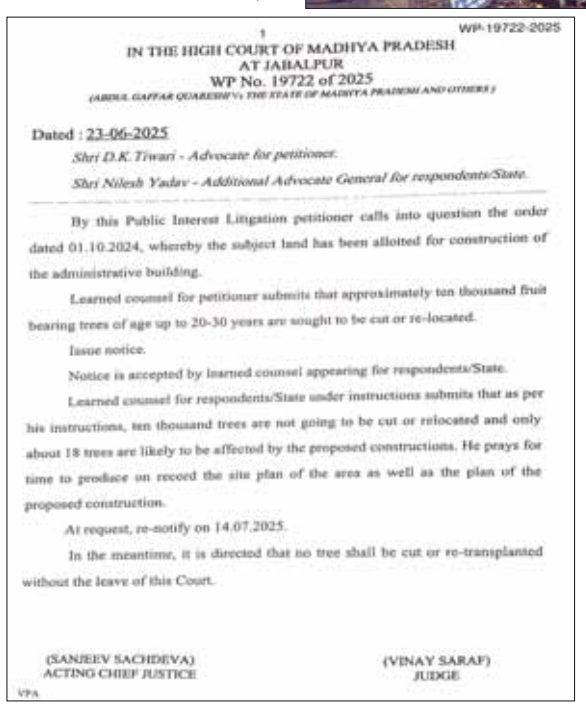

WP-19722-2025

IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH
AT JABALPUR
WP No. 19722 of 2025
(ABDUL GAFFAR QUARESHI Vs THE STATE OF MADHYA PRADESH AND OTHERS)

Dated : 23-06-2025

Shri D.K.Tiwari - Advocate for petitioner.

Shri Nilesh Yadav - Additional Advocate General for respondents/State.

By this Public Interest Litigation petitioner calls into question the order dated 01.10.2024, whereby the subject land has been allotted for construction of the administrative building.

Learned counsel for petitioner submits that approximately ten thousand fruit bearing trees of age up to 20-30 years are sought to be cut or re-located.

Issue notice.

Notice is accepted by learned counsel appearing for respondents/State.

Learned counsel for respondents/State under instructions submits that as per his instructions, ten thousand trees are not going to be cut or relocated and only about 18 trees are likely to be affected by the proposed constructions. He prays for time to produce on record the site plan of the area as well as the plan of the proposed construction.

At request, re-notify on 14.07.2025.

In the meantime, it is directed that no tree shall be cut or re-transplanted without the leave of this Court.

(SANJEEV SACHDEVA)
ACTING CHIEF JUSTICE

(VINAY SARAF)
JUDGE

VPA

निर्णय को सुना उसने अपना सिर पीट लिया।

एक ओर तो छोटे-छोटे पौधे लगाकर हम अपने आपको पर्यावरण प्रेमी होने का तमगा लेते हैं तो दूसरी ओर जो पौधे वृक्ष बन चुके हैं उन्हें काटने में हम जरा भी गुरेज नहीं करते। आखिर इस कार्यवाही को क्या कहा जाये। मण्डला नगर के आसपास क्या ऐसी कोई भूमि नहीं जहां इस तरह के भवनों का निर्माण किया जा सके लेकिन जिम्मेदारों ने जगह ढूढ़ी तो वह जहां पर वेशकीमती पेड़-पौधे पिछले 40 वर्षो की कठिन मेहनत के बाद पाले-पोसे गये हैं। महज एक कागजी निर्णय के बाद क्या इस पूरे परिसर को दूसरे स्थान पर जैसा का तैसा स्थपित किया जा सकता है? यदि नहीं तो फिर यह निर्णय किस आधार पर लिया गया।

नगर के समाजसेवियों ने, पर्यावरण प्रेमियों ने, मीडिया ने और यहां तक कि उद्यानिकी विभाग ने पुरजोर कोशिश की कि इस निर्णय को मानवता के दृष्टिकोण से देखते हुये बदला जाये लेकिन प्रशासनिक अहम आड़े आता गया बड़े अधिकारी यदि निर्णय ले लिये तो ले लिये उसे बदलना उन्हें मंजूर नहीं। लिहाजा यहां का राजनैतिक नेतृत्व भी उनके सामने बौना साबित हुआ।

ऐसे में ले-देकर एक ही रास्ता बचता नजर आया जो कि न्यायालय का था एक नगर के समाजसेवी ने अपना जिगरा दिखाया और उच्च न्यायालय में इस निर्णय के विरूद्ध जनहित याचिका दायर की। जनहित याचिका समाजसेवी अब्दुल गफ्फार कुरैशी द्वारा उनके वकील दिनेश कुमार तिवारी एवं सुमित्रा तिवारी द्वारा दायर की गई जिस पर सुनवाई करते हुये मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में एक्टिंग जीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं जस्टिव विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने यह आदेश जारी किया कि प्रस्तावित कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण स्थल पर हजारों पेड़ नहीं काटे जायेंगे और इन पेड़ों को काटने और स्थानांतरित करने में अगली सुनवाई तक रोक लगा दी साथ ही स्पष्ट निर्देश भी दिये कि निर्माण स्थल का विस्तृत नक्शा परियोजना का निर्माण प्लान और पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन अगली सुनवाई में प्रस्तुत किया जाये। अधिवक्ता दिनेश कुमार तिवारी एवं सुमित्रा तिवारी ने कोर्ट में दलीलें रखी कि म.प्र.भू.रा.सं. की धारा 237 (च) के तहत पाठशाला, खेल मैदान, उद्यान, सड़क जैसे सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आरक्षित क्षेत्र को किसी अन्य प्रयोजन में परिवर्तन करने का अधिकार कलेक्टर के पास नहीं है। उसके बावजूद उद्यान विभाग की भूमि को शासन ने जिला कार्यालय के लिये स्थानांतरित कर दिया है। इस पर उच्च न्यायालय द्वारा अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगाई गई है।

उच्च न्यायालय के इस निर्णय का नगर के सभी पर्यावरण प्रेमियों ने दिल खोलकर स्वागत किया है और यह उम्मीद भी जताई है कि उच्च न्यायालय द्वारा इस निर्णय पर पूर्णतः रोक लगा दी जायेगी और वर्षो की मेहनत के बाद तैयार किये गये इन वृक्षों को ऐसे ही सहेजा जाता रहेगा नगर के बीच यह उद्यानिकी निश्चित रूप से प्रकृति का एक सुंदर उपहार है जो हम सब पर अपनी कृपा शुद्ध स्वच्छ वायु के रूप में बरसा रहा है साथ ही इन वृक्षों का ही सानिध्य है कि इस क्षेत्र में चल रहे शासकीय कार्यालयों में एक अच्छे वातावरण के बीच कार्य संभव हो पा रहे हैं नहीं तो बढ़ते तापमान के बीच काम करना निश्चित रूप से बड़ी चुनौति होता है।

अघोषित विद्युत कटौती से उपभोकता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

भीषण गर्मी और भीषण बिजली बिल का दंश भोग रहे बिजली उपभोक्ताओं पर क्या बीत रही है शायद बिजली विभाग के अधिकारी - कर्मचारी भले अहसास न करते हों लेकिन उपभोकता भीषण गर्मी और भारी भरकम बिजली बिल से परेशान हैं। वरिष्ठ कार्यकर्ता मल्लू सिंह मरावी द्वारा बताया गया की मझगांव पोतला मै अघोषित विद्युत कटौती से केवल गर्मी या कूलर पंखा चलाने में परेशानी तक बात सीमित नहीं है आज हर कसवा और ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत हर कसवा और गावों मैं नल-जल योजना संचालित है जिसके माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जाती है। बिना बिजली गावों में अघोषित विद्युत कटौती से पेयजल आपूर्ति में क्या परेशानी आती है इस पेयजलापूर्ति की समस्या को पेयजल अभावग्रस्त ग्राम के लोग ही समझ सकते हैं ।रात रात भर बिजली ना आने से लोगों को जहरीले जीव जंतु से हमेशा खतरा बना रहता है बरसात के दिनों में पानी गिरने से कई प्रकार के खतरनाक जीव जंतु घूमते रहते हैं जिससे लोगों के जीवन में डर बना रहता है बिजली का कोई निश्चित समय नहीं है जब चाहे जब बंद हो जाती है इस संबंध में कई बार समाचार पत्रों के माध्यम से अधिकारियों को अवगत कराया गया परंतु अभी तक वही स्थिति है जो पहले थी अतः संबंधित अधिकारियों से निवेदन है कि तत्काल ठोस कार्रवाई की जावे।

विद्युत विभाग की लापरवाही भीषण दुर्घटना को दे रही आमंत्रण

मण्डला। यह तस्वीर ग्राम पंचायत घाघा मण्डला की है यह हाई टेंशन लाइन है पोल कभी भी गिर सकता है विद्युत विभाग को संबंधित किसान एवं ग्रामीणों ने लिखित में सुधार करने आवेदन दे दिया गया है लेकिन जिला प्रशासन के जिम्मेदार अब तक ध्यान नहीं दे रहे हैं। शायद भीषण दुर्घटना का सभी को इंतजार है।

एपीसी बैठक के पूर्व विभागीय तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कृषि एवं संबद्ध विभागों की राज्य स्तर से होने वाली एपीसी बैठक के मद्देनजर विभागीय तैयारियों की समीक्षा बैठक गोलमेज कक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बैठक में संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि बैठक के लिए तैयार अंतिम प्रस्तुतिकरण के स्लाईडवार विवरण तैयार रखें। प्रस्तुतिकरण में नवाचार और सफलता की कहानियों को अनिवार्य रूप से शामिल करें। सफलता की कहानियों में आगे की कार्ययोजना का भी समावेश आवश्यक रूप से करें इसमें मल्टीपल स्कीम्स का कन्वरजेंस करने की कार्ययोजना भी बनाई जा सकती है। सहायक संचालक उद्यानिकी को निर्देशित करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि शासकीय योजनाओं के साथ-साथ जिले के नवाचार को अपने प्रस्तुतिकरण में शामिल करें। सहकारिता की समीक्षा करते हुए उन्होंने समितियों के कामकाज के बेहतर प्रस्तुतिकरण के लिए आवश्यक सुझाव दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, उपसंचालक कृषि, सहायक संचालक कृषि, संचालक आत्मा परियोजना, उपसंचालक पशुपालन, उपसंचालक मत्स्यपालन, सहायक संचालक उद्यानिकी, सहकारिता अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

डॉ. अर्चना मरावीं ने संभागीय आयुष अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आयुष विभाग मण्डला में पदस्थ राधेलाल नरेटी ने बताया कि आयुष विभाग के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर आधिकारियों कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। डॉण्अर्चना मरावीं को जबलपुर संभाग अंतर्गत प्रभारी संभागीय आयुष अधिकारी जबलपुर संभाग जबलपुर के अंतर्गत उनके कुशल प्रशासनिक कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें प्रभारी संभागीय आयुष अधिकारी के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. अर्चना मरावीं एक मिलनसार एवं कुशल प्रशासनिक अधिकारी की छवि है। इनके पदभार ग्रहण करने पर विभिन्न जिलों में पदस्थ आयुष विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है। कर्मचारियों में इस बात की भी खुशी है कि उन्हें निर्दय आधिकारी से संभाग को निजात मिल गई है। डॉ. अर्चना मरावीं के पदभार ग्रहण करने पर विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने समक्ष में उपस्थित होकर उन्हें अभिनंदन शुभकामनाएं ज्ञापित किया है।

आयोजन | **विद्यार्थियों ने नशामुक्ति रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक**

नशामुक्ति दिवस अंतर्गत हुई विविध प्रतियोगिताएं

*** उत्कृष्ट विद्यालय में हुआ दो दिवसीय आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अंतर्गत शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में दो दिवसीय विविध आयोजन किए गए। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट के निर्देशन व प्राचार्य कल्पना नामदेव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के मध्य नशा मुक्ति विषय पर रंगोली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। रंगोली में प्रथम स्थान सिमरन चौरसिया, द्वितीय ललिता ठाकुर, तृतीय अर्चना कुलस्ते, निबंध में प्रतियोगिता में प्रथम वैदेही पटेल, द्वितीय शैलेन्द्र यादव, तृतीय स्थान गौरव नन्दा ने प्राप्त किया। जन सामान्य को नशा मुक्ति के लिए जागरूक करने के लिए विद्यालय परिसर से नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए नशा मुक्ति जागरूकता रैली आयोजित की गई। नशा मुक्ति के नारों के साथ विद्यार्थियों ने जन सामान्य तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया। चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से नशे से होने वाली हानियों को विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किया। चित्रकला में प्रथम सिमरन ठाकुर, द्वितीय शिजा अली, तृतीय स्थान श्रेयांश बर्मन ने प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। विभिन्न प्रतियोगिताओं का संयोजन नागेंद्र चौहान, प्रवीण अग्रवाल, कीर्ति शुक्ला, शालिनी साहू, रंजना पांडे के द्वारा किया गया। करियर काउंसलर अखिलेश उपाध्याय के द्वारा नशे के दुष्प्रभाव से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। सभी विद्यार्थियों ने नशा नहीं करने का एक साथ संकल्प लिया। इस आयोजन में विद्यालय के शिक्षक शैलेष जयसवाल, कन्हैया बरमैया, सोनल अग्निहोत्री, सुजाता शर्मा, शिवम मिश्रा, नाथू सिंह, घोसी शालिनी साहू, सारिका तिवारी स्वाती भारद्वाज वंदना श्रीवास्तव दिलेंद्र सिंगौर का सहयोग रहा।

कलेक्टर ने किया मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मोहनटोला में एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत स्थापित मिलेट प्रसंस्करण इकाई (न्यूट्रीजो मिलेट्स प्राईवेट लिमिटेड) का निरीक्षण किया। उन्होंने इकाई के संचालक से प्रोसेसिंग यूनिट के विषय में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही प्रोसेसिंग मिल की अलग-अलग यूनिट्स में अनाज की सफाई, मिलिंग, पॉलीसिंग, पैकिंग एवं भंडारण क्षेत्र का निरीक्षण किया। न्यूट्रीजो मिलेट्स प्राईवेट लिमिटेड इकाई ओडीओपी अंतर्गत स्थापित की गई है। उपसंचालक कृषि ने बताया कि बायर, सेलर मीट के माध्यम से मंडला जिले में उत्पादित हो रहे मिलेट्स की प्रोसेसिंग के लिए यूनिट की स्थापना के प्रयास किए गए। यूनिट के लिए उद्यमी को एमएसएमई के माध्यम से 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदाय की गई है। यूनिट की क्षमता 2 टन प्रति घंटा है। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया, संचालक आत्मा परियोजना श्री आरडी जाटव, एसडीओ कृषि मधु अली सहित संबंधित उपस्थित थे।

8 जुआरियों से 34 सौ रूपये नगद

*** 52 ताश पत्ती सहित 1 लाख का सामान किया जब्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 25.06.2025 को प्राप्त सुचना पर मंडला पुलिस की गठित टीम द्वारा जुआँ फड़ पर रेड कार्यवाही की गई। कार्यवाही एसडीओपी मण्डला पीयूष मिश्रा के निर्देशन में उप निरीक्षक विकाश तोमर के नेत्तृत्व में मण्डला पुलिस की टीम द्वारा जुआ फंड पर कार्यवाही की गई, मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा शारदा कॉलोनी बिंछिया पटेल किराना दुकान के पीछे छापा मारकर जुआ पकड़ा गया। घटना में पकड़े गये व्यक्तियों में सभी मण्डला क्षेत्र के कुल 08 जुआरियों के विरुद्ध कार्यवाही कर फड़ से नगदी राशि कुल 3400/- रूपये, 02 टू व्हीलर वाहन कीमती 1 लाख रूपये एवं 52 ताश के पत्ते मश्रुका जप्त किया गया। थाना कोतवाली में सभी के विरुद्ध जुआँ अधिनियम एवं भारतीय न्याय सहिंता की धारा 49, 112 मामला पंजीबध्द कर विवेचना में लिया। मंडला पुलिस द्वारा प्राप्त सुचना पर जुआँ एवं सट्टा के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) बिछिया

क्र./बा.छ./निविदा/2025 — **निविदा सूचना** — बिछिया दिनांक 26/06/2025

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) बिछिया में निवासरत बालिकाओं के भोजनव्यवस्था, स्वच्छता, स्टेशनरी एवं मेडिकल सामग्री हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है । आवश्यकतानुसार सामग्री की सूची एवं शर्तें निविदा फार्म के साथ प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि 29/06/2025 को 4:00 PM बजे तक एवं दिनांक 30/06/2025 को 2:00 PM तक जमा की जा सकेंगी। प्राप्त निविदाएं दिनांक 30/06/2025 को 3:30 PM बजे समिति के समक्ष खोले जायेंगे।

शर्तें - यदि राज्य कार्यालय के द्वारा टेंडर किया जाता है तो यह निविदा स्वतः ही समाप्त हो जाएगी।

प्राचार्य
आहरण संवितरण अधिकारी
क.गा.बालिका छात्रावास बिछिया

खबर संक्षेप

लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में बेरोजगार युवा सड़कों पर भटकने हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है। किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है, इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते हैं जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है, जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियॉ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियॉ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंताजनक बात है क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की व्यवस्था, सरकार स्तर के नए, औद्योगिक प्रतिष्ठान, रोजगार के अवसरो के सृजन, बेरोजगार युवाओं के हो रहे आर्थिक शोषण पर अंकुश लगाना अब समय की मॉग है, जिस पर तवज्जो देकर जनप्रतिनिधियो, शासकीय अधिकारियो, समाजसेवी संस्थाओं को क्षेत्र मिटाने सार्थक कदम उठाना चाहिए ताकि क्षेत्र के हर शिक्षित नौजवान को नौकर मिल सके और वह गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

साढ़े तीन साल पहले इंजेक्शन के बाद हुई थी महिला की मौत, आरोपी को सजा दिलाने अपर लोक अभियोजक अग्रवाल ने की गई पैरवी

फर्जी डाक्टर को न्यायालय ने सुनाई तीन साल के कारावास सहित आर्थिक दंड की सजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर सहित क्षेत्र में देखने मिल रहा है कि अनेक इस तरह के चिकित्क मौजूद है जो जिनके पास न तो कोई डिग्री है और न ही क्लीनिक खोलने का अधिकार मगर इसके बाद भी उनके द्वारा धडल्ले से अपनी दुकानदारी करते हुये आमजन की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई लगभग साढ़े तीन साल पहले नगर के एमपीईबी कालोनी में देखने मिली थी जब एक अपात्र डाक्टर यानि की फर्जी चिकित्सक द्वारा महिला को इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी मौत होने के चलते स्थानीय न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मा. श्रीमति संतोषी वासनिक द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 78/2022 में अपना महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुये अपात्र डाक्टर अभियुक्त संजय वक्शी को तीन साल के कारावास सहित तीन हजार रूपया के अर्थदंड की सजा से दंडित करने का निर्णय दिया गया है। इस प्रकरण में फर्जी डाक्टर को सजा दिलाने में अपर लोक अभियोजक पवन अग्रवाल द्वारा पैरवी करते हुये प्रस्तुत किये गये अपने तर्क व साक्ष्यों से सहमत होते हुये न्यायालय द्वारा अपना निर्णय सुनाया गया है। घटनाक्रम के संबंध में बताया जाता है कि लगभग साढ़े तीन साल पहले यानि की 6 दिसम्बर 2021 को सुबह लगभग 11.30 बजे ग्राम सिंहपुर निवासी गजेन्द्र कौरव अपनी माँ श्रीमति सावित्री बाई पति गुलाब कौरव उम्र लगभग 60 साल को बबासिर की बीमारी से पीड़ित होने के चलते उपचार कराने के लिये एम.पी.ई.बी. कालोनी निवासी संजय उर्फ संजू बक्शी के पास ले गया जहां पर डा. के पास उपचार करने के लिये बैध न होने के बाद भी अपनी क्लीनिक में साबित्री बाई का उपचार लापरवाही पूर्वक किये जाने के कारण जहां तुरंत साबित्री बाई बेहोश होने के चलते जब परिवार के लोग शासकीय चिकित्सालय लेकर आये जहां पर डाक्टरों द्वारा साबित्री बाई को मृत घोषित किये जाने पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये शव का पोस्ट मार्टम उपरांत जनवरी 2022 को आरोपी डाक्टर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया था। वही मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये इस मामले की जांच तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल बघेल द्वारा करते हुये जांच का अंतिम प्रतिवदेन मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस तरह स्थानीय न्यायालय में विद्यवान द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रकरण क्रमांम 78/2022 की सुनवाई शुरू की गई। जिसमें पाया गया कि अभियुक्त संजय बक्शी के पास चिकित्सल संबंधित रजिस्ट्रीकृत वैद्य आज्ञपत्ति न होने के पश्चात भी चिकित्सक के तौर पर कार्य किया, जिसका थाना गाडरवारा के द्वारा अपराध क्रमांक 83/2022 अंतर्गत भा.दं.वि. की धारा 304 (भाग दो) एवं धारा 24 म.प्र. आयुविज्ञान परिषद के तहत अपराध पंजीवद्व किया गया था, जिसमें मृतिका सावित्री बाई बवासीर का इलाज अभियुक्त ने एम.पी.ई.बी. कालोनी गाडरवारा में किया गया था। जहां अभियुक्त ने मृतिका को बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर आपरेशन कर दिया गया, जिसके पश्चात मृतिका बेहोशी की स्थिति में रही तब मृतिका के परिजन उसको शासकीय अस्पताल गाडरवारा ले गये जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। इस तरह मामले का सत्र प्रकरण क्रमांक 78/2022 का विचारण द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मा. श्रीमति संतोषी बासनिक की न्यायालय में हुआ। जहां अभियोग पत्र व अभियोजन साक्षियों की साक्ष्य एवं प्रकरण के समस्त तथ्य एवं परिस्थितियों व अवलोकन के साथ साथ अपर लोक अभियोजक पवन अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किये गये तर्को से सहमत होते हुये मा. न्यायाधीश श्रीमति संतोषी वासनिक द्वितीय अतरिक्त सत्र न्यायाधीश गाडरवारा द्वारा अभियुक्त संजय बक्शी के द्वारा चिकित्सा व्यवसाय हेतु अपात्र होते हुये लापरवाही पूर्वक उपचार किये जाने के परिणाम स्वरूप होने पर आरोपी संजय बक्शी को भा.दं.वि. की धारा 304 (भाग दो) में 3 वर्ष का कारावास एवं 2000 रूपया के अर्थदंड एवं धारा 24 म.प्र. आयुविज्ञान परिषद अधिनियम में 1 वर्ष का कारावा व 1000 रूपया के अर्थदंड की सजा से दंडित करने का निर्णय सुनाया गया है। उक्त प्रकरण में अभियोजक की ओर से अपर लोक अभियोजक पवन अग्रवाल ने पैरवी करते हुये अपने तर्क प्रस्तुत किये गये। वही दूसरी ओर घटनाक्रम के बात इस मामले की जांच गाडरवारा पुलिस थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी राजपाल बघेल द्वारा जांच करते हुये मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

गाडरवारा पुलिस ने मादक पदार्थो का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ फिर घुमाया अपना डंडा

दो आरोपियों के पास से जप्त की गई एक लाख से अधिक कीमत का स्मैक पावडर, चार अन्य स्मैकची आये पकड़ में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी डेगा द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को सख्त आदेश देते हुये मादक पदार्थो के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के कुशल मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के नेतृत्व में नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा भी अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत मादक पदार्थो के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम के चलते बीते हुये दिनों अलग अलग स्थानों से दो आरोपियों के पास से जहां एक लाख से अधिक कीमत का स्मैक पावडर जप्त करने में सफलता हासिल की गई तो दूसरी ओर चार स्मैक का सेवन करने वाले आरोपी भी पुलिस की गिरप्त में आये है। इस संबंध में बताया जाता है कि बीते हुये दिवस नगर निरीक्षक विक्रम रजक को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की नगर की नई सब्जी मंडी टीन शेड के पास एक युवक मादक पदार्थ रखे हुये बैठा हुआ है। इस खबर से टीआई विक्रम रजक द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वही उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन व नगर निीक्षक विक्रम रजक के नेतृत्व में आरोपियों को रंगे हाथो पकड़ने के लिये एक टीम बनाई गई। इस टीम में मुख्य रूप से नगर निरीक्षक विक्रम रजक के आलवा उप निरीक्षक वर्षा, नीलेश बड़कुर, अर्जुन सिंह बघेल, अमित गोटिया, सहायक उप निरीक्षक राजेश शर्मा, सुमित तिवारी, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, वरिष्ठ आरक्षक रूपेन्द्र चौबे, सौरभ मिश्रा, आरक्षक बाल किशन बल्लू , सुजीत बागरी, ऐश्वर्य वेंकट,दीपक राजपूत, शिवम पटेल, प्रदीप गुप्ता, हरिशंकर, करन सिंह, रामसिंह को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नगर की नई सब्जी मंडी शेर में एक युवक को संदिग्ध स्थिति में बैठे हुये पकड़ते हुये जब उससे पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम रविशंकर पिता लक्ष्मण सलावट उम्र 28 साल निवासी ग्राम कुशीवाडा थाना गोटेगांव बताया गया। वही पुलिस द्वारा जब युवक की तलाशी ली गई तो इसके पास से 6.26 ग्राम स्मैक पावडर मादक पदार्थ पाये जाने पर पुलिस द्वारा जप्त किया गया। इसी प्रकार से अन्य दूसरे स्थान बीज निगम के पास पुलिस द्वारा मारे गये छापे के दौरान एक युवक को पकड़ते हुये जब उससे पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम घिंटू उर्फ प्रकाश पिता कैलाश चौकसे उम्र 31 साल निवासी चांदनी चौक सांईखेड़ा का होना बताया गया। इस युवक की पुलिस द्वारा ली गई तलाशी के दौरान इसके पास से पुलिस को 3.97 ग्राम स्मैक पावडर मिला। इस तरह पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों से दो आरोपियों को पकड़ते हुये उनके पास से कुल मिलाकर लगभग 10 ग्राम स्मैक पावडर जिसकी अनुमानित कीमत एक लाख से अधिक बताई जा रही जप्त करते हुये जहां आरोपियों के खिलाफ धारा 8/27 NDPS Act मामला कायम करते हुये गिरफ्तार कर मा. न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लिया गया है। इसके आलवा पुलिस द्वारा नगर के अलग अलग स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान हेमंत पिता हीरालाल कुशवाहा उम्र 21 वर्ष निवासी शांति नगर साईखेड़ा, सारांश पिता राम शर्मा उम्र 20 वर्ष निवासी धुनी मोहल्ला साईखेड़ा, नितिन पिता सीताराम ठाकुर उम्र 19 वर्ष निवासी सिलवानी रोड पानी टंकी के पास उदयपुरा जिला रायसेन, छोटू पिता मदन लाल केवट उम्र 21 वर्ष निवासी खिरका मोहल्ला साईखेड़ा को स्मैक पावडर का सेवन करते हुये पकड़कर आरोपियो के पास से स्मैक पावडर सेवन करने की सामग्री जप्त करते हुये इनके खिलाफ भी मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इस तरह से मादक पदार्थो के खिलाफ उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक विक्रम रजक की जुगल जोड़ी द्वारा अपना डंडा घुमाना शुरू करते हुये पकड़े गये आरोपियों से इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिरकार यह लोग इस तरह मादक पदार्थ लाते कहा है और स्थानीय स्तर पर इसके खरीदार कौन है। यदि पुलिस द्वारा बात का पता लगाने में सफल हो जा जाती है तो निश्चित तौर अन्य बडे सौदागरों तक पहुंचने में एक बड़ी सफलता मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। ज्ञात हो कि इसके पहले पुलिस द्वारा चलाई गई मुहिम के दौरान अनेक बडे सौदागरों को पकड़ते हुये उन्हें जेल भेजा जा चुका है। मगर कुछ दिनों से पुलिस द्वारा इस तरह स्मैक को लेकर अपनी कार्यवाही को ठडा किये जाने से इन मादक पदार्थो का अवैध कारोबार करने वालों के हौसले पुनः बुलंद होते हुये नजर आने के चलते पुलिस द्वारा फिर अपना डंडा घुमाते हुये शिकंजा कसने की शुरूआत कर दी गई है।

नगर में फिर हुआ बाइक चोर गिरोह सक्रिय, केमरों की निगरानी के बीच घरों से चोरी की जा रही मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पहले देखा जाता था कि मोटर साईकिल चोरी करने वाले लोगों द्वारा उन वाइकों को अपना निशाना बनाया जाता था कि जो अलग सलग सुनसन इलाके में खड़ी होती थी या फिर रात के समय लोगों द्वारा बगैर किसी सुरक्षा के खुले मैदान में खड़ा कर दिया जाता था। मगर वाहन चोरी करने वालों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि वह पलक छपकते हुये बाइकों को केमरों की निगरानी के साथ साथ घरों से पार करने में भी कसर नही छोड़ रहे है। इस तरह नगर में बाइक चोर गिरोह के बढ़ते हुये होसलों के आगे पुलिस की रात्रीकालिन गस्त व्यवस्था जहां सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर सुरक्षा की दृष्टि से लाखों की लागत से लगाये गये गुप्त केमरों की उपयोगिता पर भी सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहा है..? लोगों का कहना है कि जब आरोपियों की सच्चाई केमरों में कैद होने के बाद भी आरोपियों की हरकतों पर अंकुश नही लग पा रहा है तो फिर इतना पैसा खर्च करने का क्या औचित्व..? वही दूसरी ओर इस समय जिस तरह जिला स्तर पर पुलिस कर्मियों के हुये स्थानांतरण के चलते चोर गिरोंह पर पैनी नजर रखने वाले पुराने पुलिस कर्मियों की थाने से रवानगी होते ही चोर गिरोह द्वारा जिस तरह नगर में बाइक चोरी की घटनाओं अढ़ोत्तरी का आलम दिखाई पड़ रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि पुराने पुलिस कर्मियों से शहर से बाहर भेजने का परिणाम आमजनता को भोगने के लिये मजबूर न होना पड़े..? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जो पुराने पुलिस कर्मी थें वह उन चोरों पर पैनी नजर रखे हुये थे जो इस तरह मोटर साईकिले चोरी की घटनाओं में पकड़े जा चुके है या फिर अन्य जगहों पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिये गये है। इस स्थिति में जब यह संदिग्ध नजर में देखे जाते थें तो यह पुलिस कर्मी उन्हें घटना को अंजाम देने के पहले ही अपनी गिरप्त में लेने से नही चूक पाते थें। मगर अब नगर के थाने से उन पुलिस कर्मियों के बिदाई लेते ही बाइक चोर गिरोह द्वारा पूर्णरूप से निडर होकर लोगों के घरों के अंदर कैमरों की निगरानी में रखी हुई मोटर साईकिलों को पार करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के लक्ष्मी टाऊनशिप के सामने देखने मिली जहां पर एक मोटर को चोरी करते हुये आरोपी खुलेआम गुप्त केमरे की गिरप्त में आते हुये दिखाई देने से चोरों के बढ़ते हुये हौसलों की सच्चाई उजागर होने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि समीपस्थ सांईखेडा निवासी पत्रकार दीपक अग्रवाल अपनी मोटर साईकिल क्रमांक MP49MP8810 को अपने दोस्त के घर यानि की स्टेशन रोड लक्ष्मी टाऊनशिप के सामने यशोदा नगर तिरहे के घर पर रखते हुये किसी काम से बाहर गया हुआ था। इस दौरान अज्ञात चोरों द्वारा 25 जून की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों द्वारा मोटर साईकिल को धडल्ले से चोरी करते हुये पार कर दी गई। चोरों की यह सच्चाई जहां वहां पर लगे हुये एक गुप्त केमरे में कैद होने से नही चूक पाई है। वही दूसरी ओर चोरी की गई मोटर साईकिल को आरोपी पुलिस थाने की ओर जाने वाले मार्ग से लेकर निकले हुये दिखाई दे रहे है। इस सच्चाई से यह बात तो स्पष्ट है कि पुलिस थाने में लगे हुये केमरों में भी कैद हुये होगे..। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जहां पुलिस थाने में काफी गुणवत्ता पूर्ण केमरे स्थापित है तो दूसरी ओर नगर के पलोटन गंज में भी कैमरा लगे हुये होने के बाद चोरों को किसी तरह की दहशत नही है और वह पुलिस को खुलेआम चुनौती देते हुये बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने में पीछे नही है यह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ पुलिस की गस्त व्यवस्था पर सबाल खड़े करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। वही घटना को लेकर पीड़ित पत्रकार दीपक अग्रवाल की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला कायम करते हुयये जांच में लेकर आरोपियों को शीघ्र खोजने का भरोसा दिया गया है अब देखना यह है कि पुलिस कब तक चोरी गई बाइक सहित चोरों का पता लगाने में सफल होती है यह तो आने वाली समय ही बतायेगा...?

मंदिर के सामने स्थित खम्बे में दौड़ रहा बिजली करेंट, ग्रामवासियों ने अपने स्तर पर किये सुरक्षा के प्रबंध

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। अक्सर देखा जाता है कि बिजली लाईनों में विभाग द्वारा रख रखाब में बरती जाने वाली उदासीनता का परिणाम आमजन को अपनी जान जोखिम में डालने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर बारिश के दिनों में इस तरह बिजली विभाग की उदासीनता की सच्चाई खम्बे पर दौड़ते हुये करेन्ट से उजागर होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम खुलरी में हनुमान मंदिर के पास स्थापित खम्बे में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इस खम्बे में बिजली का करेन्ट दौड़ रहा है जो किसी बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। ग्रामवासियों द्वारा मंदिर में पहुंचने वाले भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये अपने स्तर पर सुरक्षा के प्रबंधों को लेकर उसमें पन्नी सहित बबूल के जारेंटा लगा दिये गये है। मगर यदि बिजली विभाग द्वारा समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में मकड़ी के जाल की तरह उलझी केबिलों में आये दिन लग रही आग

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली करने के नाम पर जहां उनका समान सहित अन्य सामग्री कुर्क करते हुए उन्हें अपमानित करने से नही चूकते है। वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है..? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गो पर झूला के समान लटकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नही किये जाने के कारण जहां उन लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां होने के कारण किसानों को सप्लाई होने बाली बिजली में बाधित होना पड़ता है। वही आये दिन झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली चिंगारियों के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले राख होते हुए देखी जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्रामों के अंदर देखी जा रही है, जहां पर कुछ वर्ष पहले बिजली विभाग द्वारा तारों को निकलते हुये केबिल डाली गई है। मगर उसके रख रखाब में बरती जा रही उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि बारिश का मौसम शुरू होते ही बिजली खम्बो पर लगी हुई केबिल लाईनों में आये दिन फाल्ट बनने के कारण आग लगने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब अचाकन दो खम्बों में लगी हुई केबिल में अचानक आग लग जाने के कारण पूरे क्षेत्र की की बिजली लाईन बंद होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया, वह तो अच्छा हुआ कि ग्राम के अंदर कोई बड़ी घटना घटित नही हुई यदि बिजली केबिल में लगी हुई आग आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लेती तो निश्चित ही ग्राम के अंदर बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था।

खुले पडे शौचालयों की सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना पड़ रहा है भारी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

देश को स्वच्छ व स्वास्थ्य बनाने की सोच के चलते सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छता की मुहिम के चलते जिस प्रकार से लगभग चार वर्ष पूर्व जिस प्रकार से जिले से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाही वाही लूटने के लिए जिले को बाह्य शौच घोषित मुक्त कराये जाने की जो रामलीला की गई थी, उसको लेकर स्थानीय अखबारों द्वारा लगातार इस बात को उजागर किया जा रहा था कि जब लोगों के घरों में अभी तक शौचालयों का निर्माण हुआ ही नही है तो फिर आखिर में जिला बाह्यशौच मुक्त घोषित कर कैसे दिया? मगर इस बात को लेकर न तो उस समय जिले के नेताओं द्वारा ध्यान दिया गया और न ही विपक्ष में बैठी हुई राजनीतिक पार्टीयों द्वारा जिसका परिणाम यह हुआ कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से अपनी वाही वाही लूटने के लिए संपूर्ण जिले को इस प्रकार से लगभग चार वर्ष पूर्व प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा बाह्यशौच मुक्त घोषित कराते हुए सम्मान पाया गया था, वह सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उस समय विपक्ष में बैठी हुई पार्टियों की उदासीनता को भी उजागर करते हुए जान पड़ रहा था? क्योंकि जहां प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया है उनकी गुणवत्ता शौचालयों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की कहानी स्वयं बताते हुए दिखाई दे रहे है जो आज तक पूरे नही हो पाये है और वह सरकार ही बदल चुकी तथा जिले को वाहशौच घोषित करने में अपनी वाही वाही लूटने वाले अधिकारी भी यहां से बिदा ले चुके है? वही दूसरी यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से लगभग चार वर्ष पहले फर्जी तरीके से घोषित हुए ओडीएफ जिले की सच्चाई देखी जावे तो शहर से लेकर गांवों में आज भी स्पष्ट दिखाई पड़ रही है जहां पर अनेक लोगों के घरों में आज तक शौचालयों का निर्माण नही होने के कारण वह लोग खुले मैदानों का उपयोग करते हुए देखे जा रहे है और अनेक लोगों के घरों म शौचालयों का निर्माण आज भी अंधूरा पड़ा हुआ है जिसके चलते शौचालयों के निर्माण हेतु खोदे गये गड्ढे मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई पड़ रहे है? इस प्रकार से अंधूर पड़े हुये शौचालय की सच्चाई आये दिन शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिलने से नही चूक रही है जब इन अंधूरे शौचालयों के गड्ढो में मूक पशु गिरने से उनकी जान खतरे में पड़ते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते वर्ष भी उस समय देखने मिल चुकी थी जब क्षेत्र में अनेक जगहों पर इस प्रकार से अधूरे पड़े हुये शौचालयों के गड्ढो में मूक पशु गिरने से उनकी मौत तक हो चुकी है, मगर इस ओर शासन प्रशासन द्वारा शायद ध्यान इसलिय नही दिया जा रहा है क्योंकि शासन के रिकार्ड में शौचालय तो पूर्ण हो चुके है तभी तो जिला ओडीएफ घोषित हुआ होगा?

सड़कों पर घूम रहे आवारा जानवरों से दुर्घटनाओं की बढ रही संभावनाएं

गाडरवारा। शहर में चहुॅओर आवारा जानवरो के जमावड़े धमा चौकड़ी खबरे लगातार अखबारों की सुर्खियो में बने रहने के बाद भी नगर में अभी तक उन्मुक्त घूमने वाले बिना धनीधोरी के जानवरो के विचरण की समस्या हल नहीं हुई है, पूर्व में नपा. ने आवारा जानवरो के नियंत्रण के लिए हाका गैंग बनाकर पशु पालको को अपने पशु घर पर रखने की चेतावनी भी दी थी। किन्तु कथित तौर पर नपा. के आवारा जानवरों के नगर में विचरण की रोक के प्रयास बेअसर साबित हुए और इन दिनों हालत यह है कि आवारा जानवरों व पशुओं का आतंक चरम पर पहुॅच रहा है। बताया जाता है कि शक्कर नदी पुल, शुक्रवारा बाजार, थाना, कचहरी के प्रांगण, शालाओं के इर्दगिर्द, पानी की टंकी के पास के सब्जी बाजार, नगर की मुख्य सड़को पर रात दिन आवारा जानवरों की मौजूदगी से कई बार जाम लगने के हालात बन जाते है और यातायात बाधित हो जाता है, आटो, दो पहिया वाहन चालको ने बताया कि ठंड की रातो के समय सड़को पर जब अॅधेरा छाया रहता है तो चौराहो, स्टेशन रोड, झंडा चौक पर आवारा जानवरों का झुंड उमड़नें से उन्हे वाहन चलाने में दिक्कत तो होती है, साथ ही दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना रहता है। वही बड़े वाहन चालको का कहना है कि शक्कर नदी पुल के आगे झुंड में बैठे आवारा जानवर दूर से नही दिखते और जब गाड़ी उन तक पहुॅचती है, तो अचानक ब्रेक लगाने से अनहोनी की आशंका बनी रहती है, गौरतलब है कि शहर की सड़को पर मवेशियो का कब्जा रहने से जहां सुबह शालाओं में जाने वाले बच्चो को स्कूल आने जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, वही जवाहर कृषि उपज मंडी प्रांगण में खुलेआम घूमने वाले आवारा जानवरो की दहशत से क्षेत्र के मंडी में आने वाले किसान भी परेशान हो रहे है।

खबर संक्षेप

जिले के सीमावर्ती गांव पचखुरा पहुंचे डीआईजी व पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। 25 जून को कोतमा जनपद के पचखुरा में जन चौपाल आयोजित की गई, जिसमें शहडोल रेंज की डीआईजी सुश्री सविता सोहनो ने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि आपके गांव में आने वाले प्रत्येक बाहरी व्यक्ति की जानकारी थाने में जरूर दें, अपने बेटे बेटियों को पढ़ने एवं आगे बढ़ने के अवसर दें उनकी सतत मॉनिटरिंग करें, वे कैसे लड़कों से दोस्ती करते हैं, कहां जाते हैं, इसकी जानकारी आपको जरूर हो ,जिससे हम अपने बच्चों को नशे जैसे प्रवृत्तियों में लिप्त होने से बचा सके, उपस्थित बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं अपना समय पढ़ाई एवं कैरियर निर्माण में लगाने के लिए प्रेरित किया। बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं वर्तमान समय की एक गंभीर चुनौती है, इसलिए हमें पूरी सतर्कता के साथ वाहन चलाना चाहिए, साथ ही मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट जरूर लगाना चाहिए। उपस्थित मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने परिवार का ध्यान रखते हुए उसे जोड़े रखने का कार्य करे, बच्चों को अच्छे संस्कार दें। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोतिउर रहमान द्वारा उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा गया कि बच्चियों को आगे बढ़ने का कार्य करें उनको पढ़ाई लिखाई के अवसर के साथ पैरों पर खड़े होने, कैरियर निर्माण में सहायता करें, ताकि पढ़ लिखकर वे नेतृत्व की भूमिका निभाए, ग्राम एवं नगर रक्षा समिति को पुनः एक्टिव किया जा रहा है, जिससे निश्चित ही अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को तत्काल मिलेगी, अपराधों पर नियंत्रण स्थापित होगा। एडीपीओ कोतमा राज गौरव तिवारी ने नए कानून में पीड़ितों के लिया क्या-क्या प्रावधान किए गए हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी। एस डी ओ पी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य द्वारा उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा गया कि, महिलाएं आंगन से निकल कर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी हैं तथा प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही है, परंतु आज भी बहुत सी महिलाएं जानकारी के अभाव में घरेलू हिंसा जैसे अत्याचारों से भी जूझ रही है। उनके द्वारा घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 एवं नवीन कानूनो में महिलाओं के हित के लिए निहित प्रावधानों की जानकारी दी। जनपद उपाध्यक्ष श्री अभिषेक सिंह द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि हमें अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकना चाहिए, उन्हें अच्छे संस्कार देना चाहिए। यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा वर्तमान समय का एक विचारणीय प्रश्न है, छोटी सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बनती हैं,

वर्षों से जमे बीईओ, ट्रांसफर के बाद भी नहीं हो रही रवानगी

क्या है इसके पीछे की असली वजह?

करंजिया विकासखंड एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा की वजह कुछ और नहीं बल्कि ट्रांसफर हैं दरअसल विगत दिवस शासन प्रशासन ने अधिकारी कर्मचारियों का ट्रांसफर किया हैं

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

नियमानुसार तबादला होते ही संबंधित कर्मचारियों को वर्तमान की पदस्थापना को तत्काल छोड़कर नवीन पदस्थापना वाले स्थान पर जाकर विधिवत आमद देना है लेकिन अफसोस बहुत से अधिकारी कर्मचारी तबादला नीति की नियम को ढेंगा दिखाकर अभी मोहवश उसी स्थान पर डटे हैं सवाल बड़ा है—आखिर ऐसा क्या विशेष है यहां के शिक्षा विभाग में कि जिनका स्थानांतरण हो चुका है, वे भी यहां से हटने को तैयार नहीं? शासन द्वारा ट्रांसफर आदेश जारी होने के बावजूद, कुछ अधिकारी एवं कर्मचारी "टस से मस" नहीं हो रहे। यह स्थिति न केवल शासकीय आदेशों की अवहेलना का संकेत है, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े करती है।

- वर्षों से जमे हैं पदों पर, अब भी हटने को नहीं तैयार

सूत्रों की मानें तो विभाग में कार्यरत कई अधिकारी-कर्मचारी वर्षों से करंजिया मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ हैं। ट्रांसफर होने के बाद भी ये सभी किसी न किसी बहाने, राजनैतिक या प्रशासनिक संरक्षण के माध्यम से स्वयं को यहीं बनाए रखने में सफल हो रहे हैं। कुछ ने तो न्यायालय में स्थगन आदेश प्राप्त करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है।इसी क्रम में बीईओ के प्रभार पर सेवा दें रहें राजेश कुमार पांडे का भी ट्रांसफर समनापुर हो गया है लेकिन यह अभी तक रिलीव नहीं किये गये जबकि करंजिया सीईओ बिना रिलीवर के आएं रिलीव कर दिए गए यह जानकर आमजन में आश्चर्य एवं संदेह दोनों हैं। आखिर ऐसा क्या आकर्षण है इस जनपद के शिक्षा विभाग में कि यहाँ से कोई जाना नहीं चाहता? जनचर्चाओं में यह विषय तीव्रता से उठ रहा है कि जब तक शिक्षा विभाग में जमे हुए अधिकारी-कर्मचारी नहीं हटाए जाएंगे, तब तक न तो कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी और न ही शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार संभव होगा।

- प्रशासनिक लचरता और चाटुकारिता की जड़ें

करंजिया विकासखंड के निवासियों का यह भी मानना है कि विभाग में बैठे कुछ लोगों को विशेष संरक्षण प्राप्त है। यही वजह है कि वर्षों से एक ही स्थान पर टिके रहने के बावजूद, उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। चाटुकारिता का आलम यह है कि कई जगहों पर अतिथि शिक्षक तक, प्राचार्य की तुलना में अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाते नजर आते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि विभागीय अनुशासन एवं वरिष्ठता का कोई महत्व नहीं बचा है।

- भ्रष्टाचार की आहटः अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति व बिलों में अनियमितता

शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर संदेह इसलिए भी गहराया है क्योंकि कई मामलों में बिलों की फाइलिंग और अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति में गड़बड़ियों की आशंका व्यक्त की जा रही है। यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो इन मामलों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

उजागर हो सकता है। कुछ ऐसे गंभीर अनियमितता वाले उदाहरण हैं जो सीधे-सीधे सेवा समाप्ति एवं आपराधिक प्रकरणों तक ले जा सकते हैं।

- जनता का सवाल—क्यों हो रहा है संरक्षण?

सवाल केवल पदस्थ लोगों का नहीं है, सवाल उनके संरक्षकों का भी है। वे कौन लोग हैं जो ऐसे अधिकारियों को संरक्षण देकर शिक्षा व्यवस्था को गर्त में धकेल रहे हैं? यह समझना जरूरी है कि शिक्षा विभाग केवल एक शासकीय तंत्र नहीं है—यह क्षेत्र के बच्चों के भविष्य का आधार है। यहां पढ़ने वाले बच्चे किसी बाहरी जिले से नहीं आते, बल्कि वे आपके—संरक्षकों के ही—सगे-संबंधी, परिचित और पड़ोसी हैं।

- कलेक्टर को दिखानी होगी गंभीरता

यदि वास्तव में शिक्षा के स्तर को करंजिया में ऊंचा उठाना हैं, तो सबसे पहले ऐसे अधिकारियों को रिलीव किया जाना चाहिए जो विभाग में 'अंगद के पैर' की तरह जमे हुए हैं। शासन को चाहिए कि वह न केवल स्थानांतरण के आदेश को लागू कराए, बल्कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु बाध्य भी करे। जिले के कलेक्टर को स्वयं इस विषय में हस्तक्षेप करते हुए ऐसे अधिकारियों को रिलीव कर, जनहित में पारदर्शिता स्थापित करनी चाहिए।

- शिक्षा व्यवस्था को पुनः दिशा देने की आवश्यकता

करंजिया क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति पहले से ही संतोषजनक नहीं रही है। ऐसे में यदि वर्षों से जमे अधिकारी-कर्मचारी अपने हितों की पूर्ति के लिए प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी करते रहेंगे, तो आने वाली पीढ़ी को केवल प्रमाण-पत्र मिलेंगे, ज्ञान नहीं।

इसलिए आवश्यकता है कि न केवल इन मामलों की जांच हो, बल्कि विभागीय तंत्र को साफ-सुथरा बनाने की दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। ऐसे लोग जो शिक्षा विभाग को निजी व्यवसाय की तरह चला रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मत्स्य विभाग की सघन कार्रवाई बंद ऋतु में मछली जप्त

562 कि.ग्रा. मछली नीलामी से शासन को 7100 की आमदनी

डिंडौरी।

बंद ऋतु के उल्लंघन पर मत्स्य विभाग डिंडौरी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 562 कि.ग्रा. मछली जप्त की है। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है, जिसमें मत्स्याखेट, विक्रय और परिवहन पर प्रतिबंध लागू है। इस प्रतिबंध के पालन में गुरुवार को प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग आर.के. चंदेल के नेतृत्व में एक टीम गठित कर गाड़ासरई मछली बाजार में छापा मारा गया। कार्रवाई में विशाल शरणागत (मत्स्य निरीक्षक), बी.के. सिरसाम (मत्स्य निरीक्षक) एवं चौकीदार दशरथ प्रसाद वरकडे शामिल रहे। टीम ने मेजर कार्प प्रजाति की 562 कि.ग्रा. मछली जप्त की, जिसे नियमानुसार नीलाम कर 7100 की राशि शासन के खाते में जमा कराई गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि बंद ऋतु में कोई भी मत्स्य संबंधी गतिविधि नियमों के विरुद्ध मानी जाएगी और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार की जाती रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, शपथ एवं रंगारंग प्रस्तुतियों से दिया नशा मुक्त समाज का संदेश

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर गुरुवार को उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा "नशामुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 1 से 26 जून तक चलाए गए विशेष जागरूकता अभियान के समापन स्वरूप आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन एवं वंदना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति को केंद्र में रखकर नुक्कड़ नाटक, भाषण, गायन, नृत्य, हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ ग्रहण जैसे प्रभावशाली कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्र-छात्राओं ने नशे के दुष्परिणामों को मंच पर जीवंत कर सभी को संदेश दिया कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

इस अवसर पर रंगोली, चित्रकला, पेंटिंग, मैराथन, फुटबॉल, वॉलीबॉल, निबंध लेखन एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को "न एमबीए अप" कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया गया। वहीं, नशा मुक्ति अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी मंच से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में डिंडौरी विधायक ओंकार सिंह मरकाम तथा जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य एस.के. द्विवेदी, श्रीमती लतिका डेनियल, श्रीमती उपासना चौबे, राहुल शर्मा, मयूर बांगर, सुश्री निधि श्रीवास्तव, सुश्री रुचि विनोदिया, सरवन सिंह, ब्रजमोहन भारतीय, कमलेश्वर धुर्वे तथा नशा मुक्ति केंद्र डिंडोरी से रितु सेन, अजय ठाकुर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक उद्बोधन में अतिथियों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे जीवन में कभी नशे की ओर न बढ़ें। उन्होंने कहा कि नशे की शुरुआत चाहे कितनी भी मामूली हो, उसका अंत विनाशकारी होता है। इसलिए यह जरूरी है कि हम स्वयं भी इससे दूर रहें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें।

कार्यक्रम का समापन नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी जनों ने नशामुक्त समाज निर्माण की प्रतिबद्धता जताई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष चयन को लेकर दूसरे चरण की रायशुमारी सम्पन्न - कार्यकर्ताओं ने रखी मन की बात, संगठन सृजन पर हुआ मंथन

डिंडौरी ।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्ष चयन प्रक्रिया का दूसरा चरण 26 जून को अमरपुर में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक गुरुदयाल बंजारे की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन को मजबूती देने और सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कमेटी में जोड़ने पर विशेष चर्चा हुई।

इससे पहले 12 जून को आयोजित प्रथम चरण की बैठक में ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सुझाव लिए गए थे। दूसरे चरण में कार्यकर्ताओं ने खुलकर अपनी बात रखी और संगठन की वर्तमान स्थिति को लेकर नाराजगी भी जताई। कुछ कार्यकर्ताओं ने खरी-खरी सुनाते हुए अपनी भड़ास निकाली, जिन्हें जिम्मेदार नेताओं द्वारा समझाइश देकर संतुष्ट किया गया।

बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता जुड़ाव को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान पूर्व विधायक भूपेंद्र मरावी, जिलाध्यक्ष अशोक पड़वार सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बैठक में प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर, ब्लॉक प्रभारी तोक सिंह मरावी, कांग्रेस उपाध्यक्ष शकील अहमद व गणेश साहू, महामंत्री राम सिंह मरावी व गिरीश सैयाम, संगठन मंत्री शाहिद तुर्क, सोशल मीडिया विभाग के विधानसभा अध्यक्ष देव सिंह भारती, मंडलम अध्यक्ष संदीप परस्ते, खालिद खान, राम सिंह धुर्वे, अरविंद साण्डया, गणेश पुषाम, महिला नेत्री मल्ली बाई उईके, योगी सिंह तेकाम, लियाकत अली, विश्वनाथ कुशराम, गोविंद प्रसाद विश्वकर्मा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हेमंत हरदहा, राजेश पाटले, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष केवल कृष्ण नेटी, युवा कांग्रेस नेता नवीन राव व सफीक खान, सेक्टर अध्यक्ष ओम प्रकाश उइे, हरे सिंह पट्टा, जगत सिंह सैयाम, शान मंसूरी, हेमंत कुशराम, दिलीप चौबे, गिरिश खम्परिया, मनोज साहू, प्रसाद विश्वकर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि कांग्रेस संगठन जमीनी मजबूती और कार्यकर्ता संवाद को प्राथमिकता देते हुए नए जिलाध्यक्ष के चयन की ओर बढ़ रहा है।

जल संसाधन विभाग की लापरवाही से बार बार फूट रहा नहर

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। विकास खंड मेंहदवानी में जल संसाधन विभाग द्वारा कुछ वर्ष पूर्व दनदना नदी में करोड़ों रुपए की लागत से दनदना जलाशय का निर्माण कराया गया है। जलाशय निर्माण के बाद नहर निर्माण में भी करोड़ों रुपए खर्च किए गए और 12 गांव के किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए नहर का निर्माण कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कराया गया है परन्तु भ्रष्टाचार के चलते नहर निर्माण में भारी अनियमितता किया गया और मिट्टी की मेड़ बनाकर नहर का शक्ल दे दिया गया जो चाहे जब फूटकर किसानों के खेत में बिखर जाता है और फसलें बर्बाद कर देता है जिसके चलते किसान हताश और परेशान हैं।दनदना जलाशय बना अभिशाप किसानों ने बताया कि रबी फसल के सीजन में नहर से पानी नहीं मिलने से खेती प्रभावित होती है तो खरीफ की फसल में नहर फूटने से खेतों में मलबा भरने से फसलें प्रभावित हो रहा है। दनदना नदी में जलाशय निर्माण होने के बाद से किसानों को सिर्फ नुकसान ही हो रहा है।पहली बारिश में जगह जगह फूटा भ्रष्टाचार का नहर जल संसाधन विभाग की लापरवाही के चलते दनदना जलाशय का नहर प्रतिवर्ष जगह जगह से फूट जाता है जिसके मरम्मत के नाम पर जल संसाधन विभाग द्वारा भ्रष्टाचार करते हुए कागजों में लाखों रुपए खर्च कर दिया जाता है नतीजतन नहर फिर फूट जाता है यह सिलसिला जलाशय निर्माण के बाद से चला आ रहा है। अभी बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात बारिश के पानी के बहाव में नहर फूट गया है जिससे किसानों के खेतों में मलबा भर गया है।किसानों ने रोते हुए बताई आपबीती पीड़ित किसान नन्हे सिंह,मुन्ना सिंह तथा सोन सिंह ने बताया कि बुधवार को रात्रि बारिश हुई थी जिसमें हमारे खेत के पास नहर फूट गया और पानी के साथ नहर का पूरा मलबा खेतों में बिखर गया जिसके चलते इस साल फिर हम खेती से वंचित हो जाएंगे। पिछले साल भी नहर फूटा था जिससे

धान का रोपा बर्बाद हो गया था।शासन प्रशासन नहीं ले रहे सुध किसानों ने बताया कि बार बार नहर फूटने और फसल नुकसान होने की जानकारी जल संसाधन विभाग, कलेक्टर और क्षेत्रीय विधायक को दी गई है परन्तु इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी कई बार शिकायत दर्ज कराई है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।मुआवजा दिलाने की मांग पीड़ित किसानों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि उन्हें जल संसाधन विभाग से क्षतिपूर्ति राशि दिलाया जाए या तो प्रतिवर्ष के फसल की नुकसानी दिलाया जाए जिससे उनकी मेहनत और फसल बर्बाद न हो सके।

इनका कहना है

मैं अभी एसडीओ को फोन कर मौके पर पहुंचने को कहता हूं और क्या हो सकता है दिखवाता हूं। एस के शर्मा,ई जल संसाधन विभाग डिंडौरी मैं अभी भोपाल जा रहा हूं कल इंजीनियर को भिजवाकर नहर सुधार कार्य करवा दिया जाएगा और किसानों के खेत भी सफाई करा दिया जाएगा।

करन सिंह, एसडीओ जल संसाधन विभाग शहपुरा

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 27 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

कर्मकार मंडल एवं आयुष्मान के लाभार्थियों का सामाजिक अंकेक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले की सभी 450 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2024- 25 में मनरेगा योजना अंतर्गत किये गये समस्त कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण का कार्य एक जुलाई से प्रारंभ होगा। इसके साथ- साथ वर्ष 2022- 23 एवं 2023- 24 में श्रम विभाग के अंतर्गत मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल की अनुग्रह सहायता राशि एवं आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों का भी सामाजिक अंकेक्षण का कार्य होगा। यह कार्य ग्राम पंचायत की स्थानीय संपरीक्षा समिति द्वारा ग्राम सभाओं के माध्यम से किया जाएगा। संपरीक्षा समिति के प्रशिक्षण के लिए विलेज सोशल एनिमेटर तैनात किये गये हैं। विलेज सोशल एनी मेटर के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने बताया कि इस कार्य के सत्यापन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में 4 दिवस निर्धारित किये गए हैं। पहले दिवस ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही जिले में कर्मकार मण्डल की अनुग्रह सहायता एवं आयुष्मान हितग्राहियों का सामाजिक अंकेक्षण प्रथम बार होने के संबंध में बताया गया।

जिले में अब तक 112.2 मिमी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 26 जून तक की अवधि में औसत रूप से कुल 112.2 मिमी अर्थात 4.41 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 26 जून की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 6 मिमी, गाडरवारा में 2 मिमी, गोटेगांव में 5 मिमी और करेली में 2 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जून तक तहसील नरसिंहपुर में 117 मिमी, गाडरवारा में 76, गोटेगांव में 104 मिमी, करेली में 94 मिमी और तेंदूखेड़ा में 170 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 41.40 मिमी अर्थात 1.63 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 31 मिमी, गाडरवारा में 79 मिमी, गोटेगांव में 65 मिमी, करेली में 7 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 25 मिमी वर्षा हुई थी।

कार से हुई दुर्घटना, पुलिस ट्रक पर बना रही प्रकरण

परिजनों का आरोपः राजनीतिक दबाव में पुलिस बदल रही वाहन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीड़िता द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायत कर निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की गई है। महिला द्वारा दी गई शिकायत मे बताया गया है कि करेली पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाब के कारण वाहन मे अदला बदली कार चालक व मालिक को बचाने का प्रयास कर रही है जिस कारण से पुलिस द्वारा जिस वाहन से घटना हुई उस वाहन को ही बदल दिया। अब देखना होगा पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत के बाद मामले में क्या सामने आता है। क्योंकि घटना के संबंध में वाहन को बदलना गंभीर विषय है।

मामला इस प्रकार

थाना क्षेत्र करेली के निवासी सिमरिया कला निवासी दीपेश वंशकार नामक युवक अपनी स्कूटी से नरसिंहपुर आ रहा था तभी कृष्णा ढाबा के पास शाम तकरीबन 4 बजे कार क्रमांक एम 49 सी 8527 द्वारा टक्कर मार दी गई। जिसे लेकर परिजनों द्वारा थाना करेली मे शिकायत भी की गई थी लेकिन पुलिस द्वारा ट्रक से दुर्घटना होने को प्रकरण बनाया गया। उक्त मामले को लेकर परिजनों द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई तथा कार चालक पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जाए। वही पुलिस उक्त घटना को ट्रक से होना बता रही है। मामले की हकीकत क्या है यह तो जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

राजनैतिक दबाव में पुलिस

परिजनों द्वारा दी गई शिकायत मे बताया गया है कि पुलिस राजनैतिक दबाब के कारण मामले मे

वाहनों की अदलाबदली कर रही है। घटना कार से हुइ और पुलिस द्वार प्रकरण ट्रक पर बनाया जा रहा है। पीड़ति एवं परिजनों को कहना है कि मामले की स्पष्ट जांच हो घटना मे जिस वाहन से हुई है उस पर ही प्रकरण दर्ज किया जाए। वही पुलिस घायल हुई युवक व परिजनों की बात को दरकिनार करती नजर आ रही है। सोचनीय बात यह है कि घटना मे घायल व्यक्ति की बात को दरकिनार कर राहगीरों के आधार पर वाहन का नाम दर्ज करना कहां तक न्यायसंगत है। पुलिस अधीक्षक द्वारा कराई जाने वाली जांच मे क्या सामने आता है यह देखने योग्य बात है।

पुलिस के पास है साक्ष्य

सूत्रों के अनुसार करेली थाना पुलिस का कहना है कि घटना ट्रक से हुई थी और सामने से आ रही कार से युवक टकरा गया । इस कारण से मुख्य घटना ट्रक होना पुलिस मान रही है तथा उक्त घटना के पुलिस के पास गवाह भी है। वही सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। अब देखना होगा कि सत्य किसके द्वारा बताया जा रहा है। उक्त मामले मे दोनों तरफ संदेह उत्पन्न हो रहा है। परिजनों के अनुसार पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाव के चलते वाहन बदले जा रहे है। वही पुलिस का कहना है कि उक्त घटना के गवाह हे एवं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी मामले की असलियत क्या है यह अभी स्पष्ट नहीं है। फिलहाल पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत के बाद परिजनों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिला है।

मां के प्यार से उपेक्षित युवती ने कर ली आत्महत्या

पिता को किया था अंतिम मैसेज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशन गंज अंतर्गत युवती द्वारा शेढ नदी मे कूद कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवती घर से लाइब्रेरी की कहकर निकली थी जब घर वापस नहीं पहुंची तो ढूंढना प्रारंभ किया गया। जिसमे पता चला की युवती की स्कूटी शेढ नदी के पुल के पास खड़ी हुई है। उसके बाद युवती का शव भी शेढ नदी से बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच मे पुलिस द्वारा भी आत्महत्या मान रही थी स्टेशनगंज थाना प्रभारी रत्नाकर हिग्वे द्वारा बताया गया कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि वह परिवार में खुद को उपेक्षित महसूस करती थी। उसे लगता था कि उसकी मां भाई-बहनों से ज्यादा प्यार करती हैं। परिवार में उसकी बातों को महत्व नहीं दिया जाता था। खर्च के लिए पैसे भी नहीं मिलते थे। युवती ने आत्महत्या से पहले अपने पिता को मैसेज भेजा था, जिसमें लिखा कि उसके शव के पास सिर्फ पिता ही आएं। टीआई के मुताबिक युवती सुबह घर से लाइब्रेरी जाने का बोलकर निकली थी, लेकिन सुबह 10 बजे तक घर नहीं लौटी। इसके बाद उसकी तलाश की गई। इस दौरान पता चला कि उसने एक मेसेज भेजा है, जिसमें परिवार से नाराजगी जताते हुए सिर्फ पिता को शव के पास आने की बात लिखी थी। खोज के दौरान युवती की स्कूटी शेढ़ नदी के पुल पर मिली। एएसपी संदीप भूरिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। युवती के पिता सेना में कार्यरत हैं। वे अधिकतर समय घर से बाहर रहते हैं। मृतका को अपने पिता से विशेष लगाव था। इसलिए उसने अंतिम संदेश में केवल उन्हें ही बुलाने की बात कही। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कलेक्टर ने ली जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की वार्षिक बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरूवार को आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एएसपी संदीप भूरिया सहित सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सदस्य मौजूद थे। बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल भार्गव (सेनि.) ने कार्यालय के विभिन्न दायित्वों एवं कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने केन्द्रीय सैनिक बोर्ड एवं संचालनालय सैनिक कल्याण मप्र द्वारा सैनिकों, सैनिक विधवाओं एवं उनके आश्रितों को दी जा रही सुविधाओं, सहायताओं, छात्रवृत्तियों व आर्थिक सहायताओं के बारे में विस्तार से बताया। पिछले वित्त वर्ष में जिन पूर्व सैनिकों व सैनिक विधवाओं और उनके आश्रितों को जो भी वित्तीय सहायता दी गई उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को संज्ञान मे लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये। सैनिक कल्याण अधिकारी ने पिछले तीन वर्षों के दौरान सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि के संग्रहण की जानकारी दी। वर्ष 2025- 26 के लक्षित राशि को हासिल करने के लिए सहयोग की अपील की जिस पर कलेक्टर ने आश्वासन दिया।

फाइनेंस कंपनी एजेंट की हुई शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। फाइनेंस कंपनियों में कार्यरत का कुछ एजेंट और कर्मचारियों के कारण लोग परेशान रहते हैं ऐसा ही एक मामला है जिसमें की फाइनेंस बैंक में कार्यरत कर्मचारी ने दुपहिया वाहन की किस्त जमा ना करने की बात पर गाड़ी ले ली और बाद में किस्त भी ले ली किंतु गाड़ी को वापस नहीं कर रहा है और यह कहता रहा कि मोटरसाइकिल बैंक में जमा है इस संबंध में बीते दिवस करीब चार लोगों ने इस एजेंट कर्मचारी की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की । इस संबंध में जयपाल गौड़ निवासी ग्राम आलौद ने बताया कि टीवीएस स्टारपोर्ट जिसका रजिस्ट्रेशन कमांक एमपी49जेडबी 0156 है। सुमित गुप्ता जो कि आई डी एफ सी बैंक नरसिंहपुर में कलेक्शन एजेंसी के पद पर कार्य करता था, उसके द्वारा आवेदक से उक्त गाडी छुड़ा ली गयी और कहने लगा कि आप इस गाडी का पूरा पैसा दो नहीं तो आपकी गाडी कंपनी में जमा होगी। 6 माह पूर्व मेरी गाडी को अनावेदक के द्वारा ले जाने के बाद फिर कंपनी वाले आवेदक से उक्त वाहन का किश्त मांगने के लिये पुनः उसके पास आये लेकिन आवेदक ने पूर्व में ही उक्त वाहन को सुमित गुप्ता के पास जमा कर चुका है।

विधायक व भाजपा जिला अध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस वन परिक्षेत्र के बचई सहायक वन क्षेत्र की बावरिया बीट में कक्ष क्रमांक पी 84 में हटाए गए अतिक्रमण एरिया में कैंपा योजना अंतर्गत 30 हेक्टेयर जगह पर वृक्षारोपण किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र नागेश , पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, राम स्नेही जी पाठक जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी एवं वन मंडल अधिकारी नरसिंहपुर, वन मंडल के कर्मचारी स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में एक वृक्ष मां के नाम अभियान 2.0 के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिक्रमण हटाने एवं रोपित किए गए पौधों में स्थानीय ग्रामवासी देवनगर जटनी का विशेष सहयोग रहा। श्री पटेल द्वारा संबोधित करते हुए कहा कि रोपित पौधों को संरक्षित रखने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में नीलेश शर्मा मंडल अध्यक्ष मुंगवानी, चैधरी रंजीत पटेल जिला महामंत्री किसान मोर्चा, आदित्य पटेल युवा समाजसेवी, राम नारायण पटेल मंडल अध्यक्ष डाँगीढाना रामजी पटेल वरिष्ठ नागरिक, निरंजन सिंह राजपूत सरपंच मुंगवानी खुमान सिंह पटेल सांसद प्रतिनिधि, श्रीमती रश्मि ठाकुर सरपंच देवनगर एवं समस्त देवनगर ग्रामवासी की उपस्थिति में एक वृक्ष मां के नाम अभियान 2.0 में पौधे लगाकर पर्यावरण सुरक्षित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन नरसिंहपुर वन मंडल अधिकारी सुश्री कल्पना तिवारी द्वारा आयोजन किया गया।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर भाजपा ने लगाई प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा द्वारा करेली नगर के बरमान चौराहे पर आपातकाल को लेकर प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष पं.रामस्नेही पाठक , जिला कोषाध्यक्ष कार्यक्रम प्रभारी नीलकमल जैन, नपाध्यक्ष सुशीला ममार, नपा उपाध्यक्ष अनीता नेमा, मंडल अध्यक्ष जीतू स्वामी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पाठक ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1975 में लगाया गया आपातकाल देश का सबसे काला अध्याय था। इमरजेंसी ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को तोड़ने का काम किया। उस समय संविधान, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक अधिकारों को कुचला गया। उन्होंने आगे कहा कि आपातकाल की घोषणा किसी राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी। यह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सत्ता बचाने की रणनीति थी। न्यायालय द्वारा उनकी चुनावी सदस्यता रद्द करने के बाद यह निर्णय लिया गया। इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का हवाला देकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया, कार्यक्रम में मीसाबंदी,भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष ,भाजपा के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष रजत सिंह चैहान एवं आभार सुरेन्द्र मोहन नेमा ने किया।

सर्पदंश होने पर नजदीकी अस्पताल में ले जाकर एंटी स्नैक बेनम इंजेक्शन लगवायें

बरसात के दिनों में बढ़ जाती हैं सर्पदंश की घटनाएं

तेंदूखेड़ा। अक्सर कर बरसात के दिनों में सर्पदंश की घटनाएं दुर्घटनायें खूब देखने को मिला करती है।ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को लोग सबसे पहले झाड़ फूंक या अन्य स्थानों पर ले जाकर समय गंवा देते हैं जब तक जहरीला जहर शरीर में प्रभाव दिखा कर जीवन लीला समाप्त कर देता है। हमारे प्रतिनिधि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव ने बताया कि बारिश के दिनों में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इनसे बचने के लिए घर व खेत में खासी एहतियात बरतनी जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को सर्पदंश हो गया है तो उसे हिम्मत दिलाते हुए तुरंत अस्पताल लेकर आएं। कोशिश यह रहे कि खून की चाल बंद ना हो पाए । कोबरा या फन वाले जहरीले सर्पों के काटने से पीड़ित को पहले चक्कर आते हैं फिर उसे बेहोशी छाने लगती है। आज भी ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में लोग सर्पदंश का इलाज झाड़-फूंक से कराने में विश्वास रखते हैं। यह स्थिति मरीज के लिए घातक हो जाती है। यदि सर्प जहरीला नहीं है तो मरीज की जान बच जाती है, लेकिन जहरीला है तो उसे अस्पताल ले जाकर एंटी स्नैक बेनम लगवाना जरूरी है। जो शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध रहते हैं।

सावधानी रखना जरूरी

जहरीले जंतुओं को पकड़ने में माहिर सिकंदर खान कहते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों खलिहानों के आजू बाजू कच्चे मकान झोपड़ी नुमा मकानों में विशेष निगरानी और सावधानी बरसात के दिनों में रखनी चाहिए।विचरण करने वाले जीव जंतु जहां तहां ठहर जाते हैं। इसलिए रात्रि के समय बाहर आने जाने नंगे पैर नहीं जाना चाहिए। तथा घरों की खूंटियों अरगनी पर सोने के विस्तर पहननें ओड़ने के कपड़े टांग देते हैं। इन कपड़ों को बिछाने के पहनने के कपड़ों को फटकार कर देखकर ओड़ना बिछाना चाहिए और कपड़े पहनाना चाहिए। अक्सर कर सांप गुहेरे बिच्छू जूडर मौका पाकर छिप जाते हैं। और अपने बचाव के चक्कर में काट देते हैं। घरों के बाजू में बिलों में भी साफ सफाई करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए साथ ही कंडों के बिठों से कंडे निकालते समय विशेष सावधानी की जरूरत होती है। पहले लकड़ी की सहायता से दूर से ही आवाज करें। यदि किसी के घरों में जहरीले जंतु होने घुसने की जानकारी है तो तत्काल सूचना देवें। उन्हें पकड़कर बाहर जंगल में छोड़ दिया जाता है।

जर्जर तहसील कार्यालय में जगह-जगह से हो रहा पानी का रिसाव

तेंदूखेड़ा। किसानों और आम जनता की हर राजस्व संबंधित गतिविधियों का केंद्र तहसील कार्यालय परिसर जर्जर स्थिति में पहुंचने के साथ बरसात के दिनों में जहां तहां से पानी का रिसाव होने और आम जनता को बैठने की समुचित व्यवस्था तक नहीं है। जरुरतमंदों को या तो वृक्षों के नीचे बैठना पड़ता है या फिर यहां वहां बैठकर काम निकालते हुए देखे सुने जाते हैं। चूंकि तहसील कार्यालय भवन को बनें हुए काफी लंबा समय हो चुका है। निर्माण के समय जनसंख्या के घनत्व को लेकर बनीं उक्त तहसील कार्यालय के शुरुआती दिनों में ही गुणवत्ता को लेकर अंगुलियां उठना शुरू हो गया था। लेकिन बीच-बीच में मेंटेनेंस के बाद जैसे तैसे काम चलता रहा है लेकिन अब स्थिति काफी दयनीय होती चली जा रही है। जहां तहां से ऊपरी सतह की छाप स्वयं उखड़कर नीचे आने लगी है। तथा बरसात का पानी रिसाव भी जहां तहां से टपकने से कम्प्यूटर और बिजली से चलने वाली मशीनरी उपकरण कागजी रिकार्ड भीगने का भय बना रहता है।इसी कार्यालय में निर्वाचन शाखा से संबंधित रिकार्ड और किसानों की जमीनों से संबंधित रजिस्ट्री का काम भी चलता है।इन शाखाओं में भी जहां तहां से पानी टपकता रहता है।पनी डालकर काम चलाया जा रहा है।

किसानों को बैठने नहीं है उचित जगह

तहसील कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग सुबह से ही अपने अपने विभिन्न काम लेकर पहुंचा करतें हैं लेकिन विडम्बना यह है कि बरसात और गर्मी जैसे मौसम में लोगों को बैठने उचित जगह तक नहीं है। वृक्षों के नीचे बैठकर लोग समय निकालतें हुये देखे जाते हैं।ठंड के दिनों में तो लोग धूप में किसी भी तरह बाहर बैठकर काम चला लेते हैं लेकिन बरसात और गर्मी के मौसम में बाहर बैठ पाना मुश्किल हो जाता है।

नहीं है बिजली की व्यवस्था आंख-मिचौली के चलते परेशान होते हैं लोग

जहां का कार्यालय स्वयं समस्याओं से घिरा हुआ है वहां पर बिजली की आंख मिचौली कोढ़ में खाज का काम कर रही है। हमारे प्रतिनिधि को पीड़ित वर्ग ने बताया कि प्रतिदिन रजिस्ट्री को लेकर लोग पहुंचते हैं लेकिन बिजली के कारण अधिकारियों के साथ हितग्राही भी हाथ पर हाथ रख कर बैठे घंटों प्रतिक्षा करते रहते हैं। वहीं राजस्व से संबंधित काम काज भी समय पर नहीं हो पाते हैं। विभिन्न प्रकरणों को लेकर लोग पेशी या अन्य गतिविधियों को पूरा करने के लिए प्रतिक्षा रत देखे जाते हैं। चूंकि इस कार्यालय में जनरेटर की व्यवस्था भी नहीं है पूर्व में जरूर यहां पर यह व्यवस्था थी लेकिन अब देखनें को नहीं मिलती। रजिस्टार कार्यालय में इन्वेटर तक की व्यवस्था नहीं है।रजिस्ट्री करवाने वाले किसानों को घंटों बिजली और फिर सर्वर समस्या से जूझना पड़ता है। छोटी-छोटी सी समस्याओं के चलते किसानों की परेशानियां और सरकारी रिकार्ड मशीनरी की बर्बादी की ओर चली जा रही है।समय रहते और जनसंख्या के बढ़ते घनत्व और विस्तारीकरण की दिशा में एक नये सर्वसुविधायुक्त भवन की मांग बढ़ने लगी है।